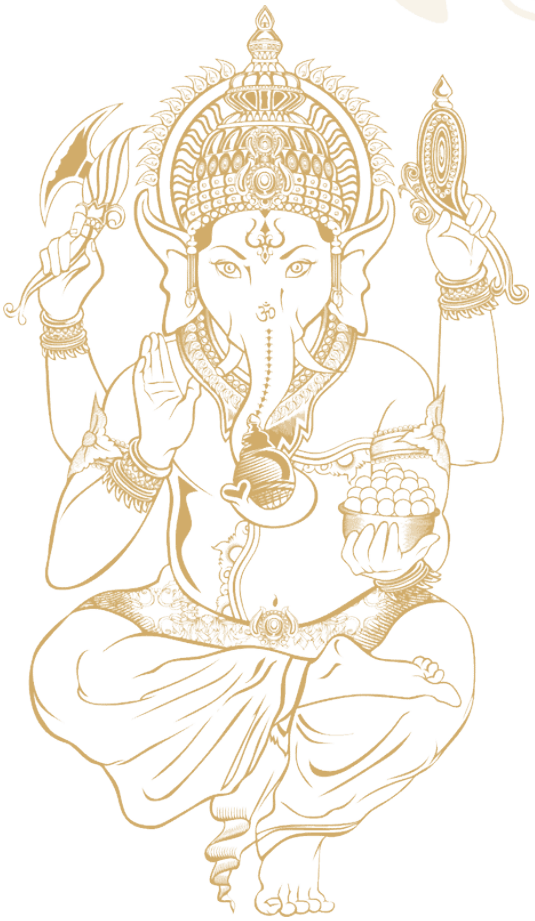

05 Feb 2026

04:01 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121177108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:01:00 घंटे**
इष्ट	22:14:21 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:39:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:59 घंटे
साम्पातिक काल	00:42:14 घंटे
सूर्योदय	07:07:15 घंटे
सूर्यास्त	18:03:21 घंटे
दिनमान	10:56:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:24:07 मकर
लग्न के अंश	27:11:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:11:08	309:51:43	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	22:24:07	01:00:48	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	06:18:03	12:51:04	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	15:58:53	00:47:03	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	03:06:41	01:46:06	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:39:48	00:06:06	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	29:31:15	01:15:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	04:51:49	00:06:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:49:53	00:01:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:49:53	00:01:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:13	00:00:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:02:33	00:01:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:36:48	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	17:15:38	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

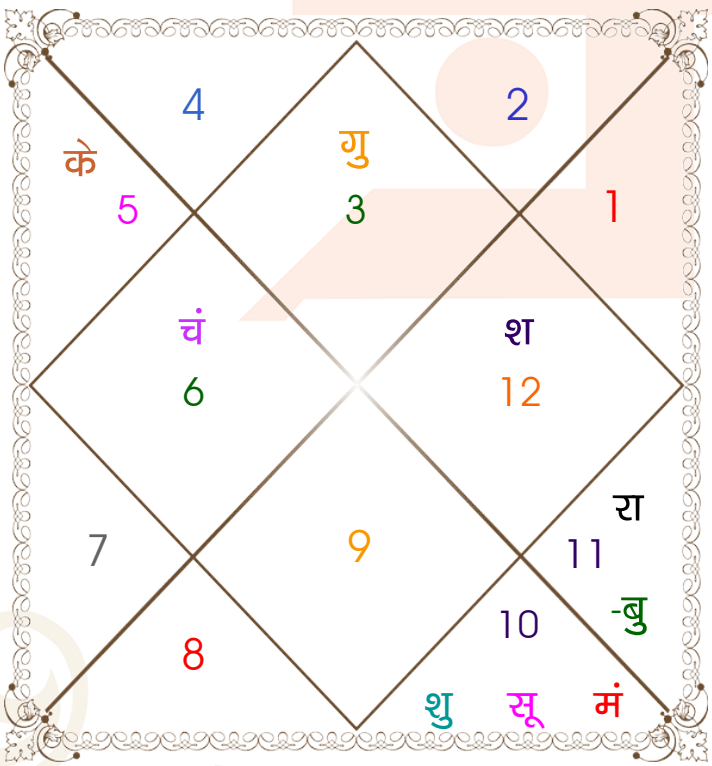

चन्द्र कुंडली

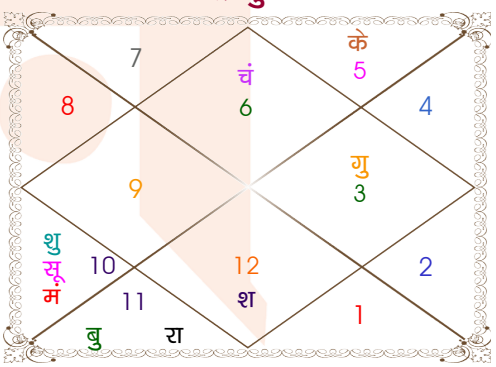

नवमांश कुंडली

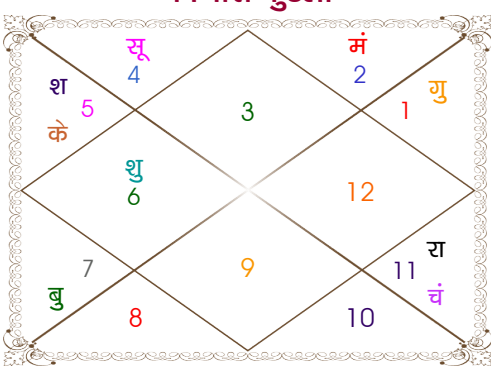

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/02/2026		06/10/2027		06/10/2037		05/10/2044		06/10/2062	
06/10/2027		06/10/2037		05/10/2044		06/10/2062		06/10/2078	
	00/00/0000	चंद्र	06/08/2028	मंगल	04/03/2038	राहु	19/06/2047	गुरु	23/11/2064
	00/00/0000	मंगल	07/03/2029	राहु	22/03/2039	गुरु	11/11/2049	शनि	06/06/2067
	00/00/0000	राहु	05/09/2030	गुरु	26/02/2040	शनि	17/09/2052	बुध	11/09/2069
	00/00/0000	गुरु	05/01/2032	शनि	06/04/2041	बुध	07/04/2055	केतु	18/08/2070
	00/00/0000	शनि	06/08/2033	बुध	03/04/2042	केतु	24/04/2056	शुक्र	18/04/2073
	05/02/2026	बुध	05/01/2035	केतु	30/08/2042	शुक्र	25/04/2059	सूर्य	04/02/2074
बुध	31/05/2026	केतु	06/08/2035	शुक्र	31/10/2043	सूर्य	19/03/2060	चंद्र	06/06/2075
केतु	06/10/2026	शुक्र	06/04/2037	सूर्य	06/03/2044	चंद्र	17/09/2061	मंगल	12/05/2076
शुक्र	06/10/2027	सूर्य	06/10/2037	चंद्र	05/10/2044	मंगल	06/10/2062	राहु	06/10/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/10/2078		06/10/2097		07/10/2114		07/10/2121		07/10/2141	
06/10/2097		07/10/2114		07/10/2121		07/10/2141		00/00/0000	
शनि	09/10/2081	बुध	04/03/2100	केतु	05/03/2115	शुक्र	05/02/2125	सूर्य	24/01/2142
बुध	18/06/2084	केतु	02/03/2101	शुक्र	04/05/2116	सूर्य	05/02/2126	चंद्र	26/07/2142
केतु	28/07/2085	शुक्र	31/12/2103	सूर्य	09/09/2116	चंद्र	07/10/2127	मंगल	01/12/2142
शुक्र	26/09/2088	सूर्य	06/11/2104	चंद्र	10/04/2117	मंगल	06/12/2128	राहु	25/10/2143
सूर्य	08/09/2089	चंद्र	07/04/2106	मंगल	06/09/2117	राहु	07/12/2131	गुरु	13/08/2144
चंद्र	10/04/2091	मंगल	04/04/2107	राहु	25/09/2118	गुरु	07/08/2134	शनि	26/07/2145
मंगल	18/05/2092	राहु	22/10/2109	गुरु	01/09/2119	शनि	07/10/2137	बुध	06/02/2146
राहु	25/03/2095	गुरु	28/01/2112	शनि	09/10/2120	बुध	07/08/2140		00/00/0000
गुरु	06/10/2097	शनि	07/10/2114	बुध	07/10/2121	केतु	07/10/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।